



# राज्य सूत्रीय मुक्केबाज ने माता-पिता पर चाकू से हमला किया जबरन वसूली के मामले में जमानत मिलने के कुछ ही मिनट बाद दक्षिणी दिल्ली में बहन की हत्या

## अलीशा दत्ता

एक 20 वर्षीय राज्य सूत्र पुलिस ने बताया कि मुक्केबाज ने बुधवार तक दक्षिणी दिल्ली के नेब सराय स्थित अपने पर भी अपने माता-पिता और बड़ी बहन की चाकू घोपकर हत्या कर दी।

इस घटना पर मुख्यमंत्री आतिशी ने नीतीश प्रदीपकरण वयस्क की ओर भाजपा नीत केंद्र सरकार पर शर्षण के निवासियों की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने एकस पर एक पोस्ट में कहा, "दिल्ली में दिनदहाड़े हारपां ही ही है, गोलियां लाल हैं और खुले आम दूसरा विक्री रहे हैं। दिल्ली में केंद्र सरकार की एक ही जिम्मेदारी है - लोगों को सुरक्षा प्रदान करना। तो अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।"

पुलिस ने बताया कि आरोपी अर्जुन कुमार ने

पिछले कुछ दिनों से वह हत्या की योजना बना रखा था, क्योंकि उसके पिता ने कुछ बाहरी लोगों के सामने उसकी "पिटाई" की थी।

'बदला लेने वाली हत्याएं'

"यह दिया था। उसके लिए एक अंक भी मिला।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण)

संयज्ञ कुमार जैन ने कहा, "उसने

पाया कि उसके पिता अपनी सारी

संपत्ति उसकी बहन को देने की

योजना बना रहे हैं। तभी से उसने

हत्या की योजना बनानी शुरू कर दी

और अपने माता-पिता की सालानी

के दिन दूरी करने का फैसला

किया।"

पुलिस ने बताया कि उन्हें सुबह

करीब 6 बजे घटना के बारे में सूचना

मिली थी। श्रीराज जैन ने बताया, "मौके

पर पहुंचने पर राजेश कुमार (51),

उनके पतनी कोमल (46) और बड़ी

कविता (23) अपने बिसर्त पर

बेहोश पड़े मिले और उनकी गढ़न

पर चोट के निशान थे।"

पुलिस ने बताया कि अरोपी ने शुरू में उसके पिता के सैन्य चाकू का इस्तेमाल पहले अपनी बहन पर किया, जो जीमीन पर सो रही थी, और फिर वह पहले तल पर गया, जहां उसने देखा कि उसके पिता अकेले विसर्त पर सो रहे थे।

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "बाद में

जब उसकी मां ने शेर मचाने की

कोशिश की, तो उसने अपनी मां को

भी चाकू मार दिया।"

जैन ने बताया कि जब उसकी मां

शौचालय गई हुई थी, तब उसने

अपने पिता को चाकू मार दिया।

श्रूकेपक्षिम्भृतक  
तेलंगाना  
मुलुगु

## द हिन्दू बघरो

तेलंगाना के एतरनगरम वन कवेतर में जीमीन से 40 किलोमीटर नीचे आए रिक्टर प्लैनर पर 5.3 रुपयों के भूक्षप का असर बुधवार सुबह 7.27 बजे मध्य यह और उत्तर भारत में महसूस किया गया।

नेशनल सेटर फॉर सीसीएसटी (एनसीएसटी) ने इस साथन की पहाड़न नलगोडा से 185 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व और हैदराबाद से 219 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में की है। कई लोगों ने बताया कि उछु सेकंड के लिए भूक्षप के छाटके महसूस किए गए। जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

एनसीएस दबावा किए गए प्रारंभिक विश्लेषण में कहा गया है, "भूक्षप का केंद्र गोदावरी फॉर्म्यूलर सिस्टम लोगों का असास है, जहां पहले भी कई भूक्षप आए हैं। इसलिए, यह नवाच ऊर्जा रिलाई का क्षेत्र है। यह गोदावरी परत में हुआ, जिससे उम्मीद के तौर पर तीव्रता का कपन हुआ, क्योंकि अधिकतम भूक्षपीय ऊर्जा अधिक गहराई पर न नहीं हो गई।"

एनसीएस ने जहां एटरनगरम के जंगलों में भूक्षप के स्थान की पहचान की, वही अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण निगरानी स्टेन्स ने बताया कि भूक्षप उत्तीर्ण स्थान के पास गोदावरी के तट पर आया था। एनसीएस ने कहा कि उसे अपने ऐप और वेबसाइट पर 100 प्रतिक्रियाएं मिलीं, जिनमें से ज्यादातर तेलंगाना से आई थी।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक नेटवर्कों ने कहा कि मुलुगु जिले के मेदाराम में आया 'मध्यम' भूक्षप इस क्षेत्र में पिछले 55 वर्षों में दर्ज किया गया दूसरा सबसे बड़ा भूक्षप है।

# ओडिशा अवसर पर प्रकाश डाला गया पोलावरम बांध परियोजना के प्रभाव पर चिंता

बीजद प्रतिनिधिमंडल ने एनसीएसटी अध्यक्ष को ज्ञापन सौपकर 'परियोजना से उत्पन्न खतरे' की शिकायत की आंधर परदेश में जनजातीय समुदायों के जीवन और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की घटना पर तत्काल हस्तक्षेप और सुधारात्मक कारखाई की मांग

द हिन्दू बघरो  
नई दिल्ली

ए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीज जीवन की विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (बीजद) ने बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजातीय आयोग (एनसीएसटी) के अध्यक्ष से मुलाकात कर आंधर परदेश में पोलावरम बांध परियोजना के प्रभाव पर चिंता बताकर की तथा आयोग ने तेलकल हस्तक्षेप की मांग।

प्रतिनिधिमंडल, कॉम-ओडिशा के मलकानगिरी और कोरापुट क्षेत्रों के निरवाचित प्रतिनिधित्व, पूर्व मत्तरियों और विधायिकों ने एनसीएसटी के अध्यक्ष अंतर से बोला बोला आयोग को एक ज्ञापन सौपा, जिसमें परियोजना के ज्ञापन से तेलकल हस्तक्षेप की मांग।

प्रथिष्ठ बीजद नेता देवी प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने तेलकल ध्यान देने और सुधारात्मक कारखाई की मांग की, क्योंकि यह परियोजना "ओडिशा के उपरी क्षेत्रों में स्थानीय जनजातीय आयोग के जीवन और धर खाने का खतरा" से जड़े हैं।

उत्ताप्ने गया मुख्य मुद्रा परियोजना की जल निकासी क्षमता में कथित परिवर्तन था।

डम ने कहा कि क्षमता को 36 लाख क्षेत्रफल से बढ़ावार 50 लाख करके परत दिया गया, "बिना परस्परापूर्ति के" ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे अपसर्वर्ती राज्यों में बैकवाटर प्रभाव पर विचार किया गया।

इसी मुद्रे पर चर्चा के लिए नेताओं ने मलालवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की थी।

एनसीएसटी को सीधे एप अपने जलमान जल नेताओं ने दावा किया कि परियोजनाओं के लिए दी गई मंजुरी में सारखानकी परमाणु और परादरशिता का अभाव था।



पहांच: बुधवार को नई दिल्ली में एनसीएसटी के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य को ज्ञापन सौपता बीजद प्रतिनिधिमंडल। विशेष दृश्यवस्था

"इस बदलाव से प्रभावित आबादी में आशकाएं दैवा हो गई हैं"

मलकानगिरी के लोगों को अपनी जमीन और धर खाने का खतरा है।

अध्ययन शूरू करने की अपील बीज नेताओं ने एनसीएसटी से आगामी क्षेत्रों के अध्ययन को ज्ञापन किया कि वह "ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंधर परदेश और तेलंगाना में हजारों आदिवासी आबादी पर परियोजना के संभावित अपराह्न दिया गया।"

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना में इनमें से कोई नहीं किया गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित विवरण दिया गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

“द राष्ट्रीय हरित ट्रिब्युनल, गांधीनगर के मुद्रितों को अपील करने के लिए एपराह्न दिया गया।”

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना के संभावित अध्ययन।

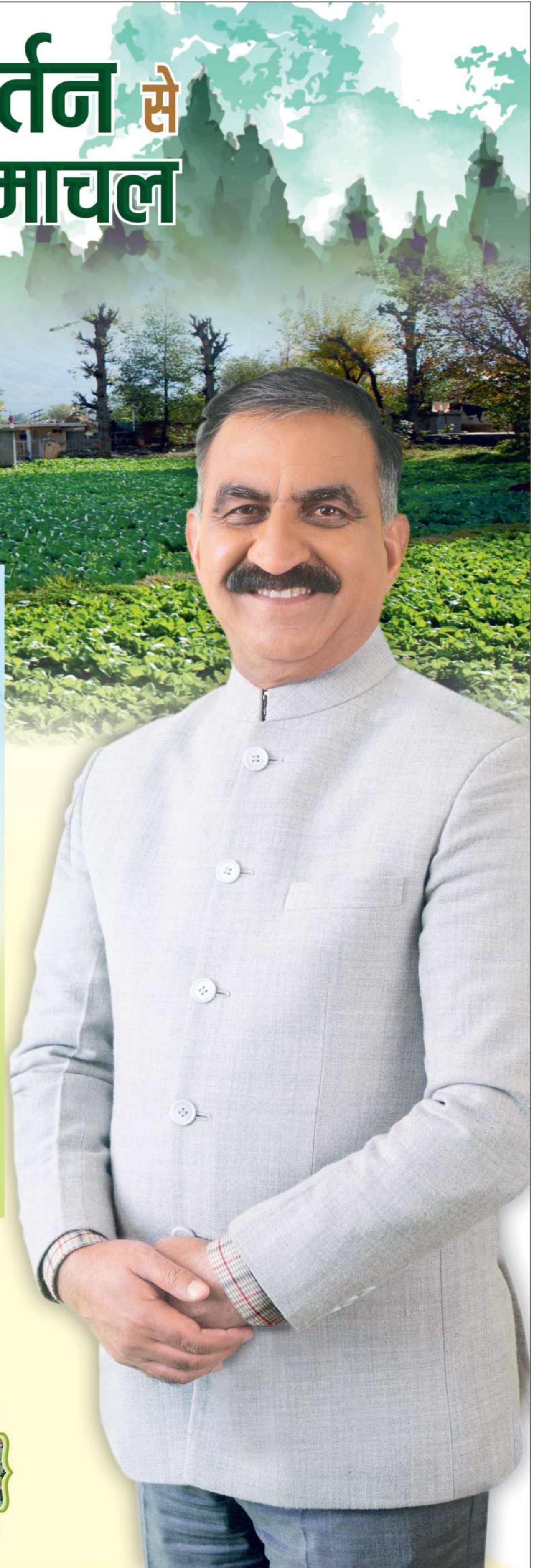
उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि परियोजना क



# व्यवस्था परिवर्तन से आत्मनिर्भर बनता हिमाचल

## सुदृढ़ होती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

- हिमाचल प्रदेश गेहूं और मक्की पर सबसे ज्यादा समर्थन मूल्य (MSP) देने वाला वाला देश का पहला राज्य बना।
- प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से गेहूं 40 रुपये और मक्की 30 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से खरीदी जा रही है।
- प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक रूप से उगाई 398 मीट्रिक टन मक्की 1506 किसानों से खरीदी।
- प्रत्येक प्राकृतिक खेती किसान परिवार से 20 किवंटल तक अनाज खरीदा जा रहा है।
- प्रदेश में 1.98 लाख किसान-बागवान 35 हजार हैक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती से जुड़ गए हैं।
- 1.50 लाख से अधिक किसान-बागवानों का निःशुल्क प्रमाणीकरण किया गया।
- 15000 एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती में प्रमाणित होगी।
- 680 करोड़ रुपये की राजीव गांधी स्टार्ट-अप योजना के तीसरे चरण में राजीव गांधी प्राकृतिक खेती स्टार्ट-अप योजना संचालित की जा रही है।
- इस साल 36,000 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है।
- प्राकृतिक खेती से उत्पादित मक्की से बना **हिम-भोग**  
**हिम-मक्की आटा** बाजार में उतारा जा रहा है।



जारीकर्ता : निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, हिमाचल प्रदेश